बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्रा धकरण (**BSDMA)**

देश के प्रथम **Earthquake Safety Clinic and Centre** का माननीय मुख्यमंत्री बिहार सह प्रा धकरण के अध्यक्ष श्री जीतन राम मांझी द्वारा उद्घाटन (भूकंप सुरक्षा सप्ताह 2015)

(20 जनवरी 2015)

प्रेस वज्ञप्ति

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्रा धकरण ने वगत कुछ वर्षों में व भन्न आपदाओं और वशेष रूप से भूकंप जो खम न्यूनीकरण की दिशा में वशेष प्रयास कया है। बिहार सरकार के आपदा प्रबंधन वभाग के संकल्प संख्या 125, दिनाँक 13 जनवरी 2012 के द्वारा पूरे प्रदेश में बाढ़ एवं भूकंप सुरक्षा सप्ताह मनाने का निर्णय लया गया था। प्रा धकरण द्वारा प्रत्येक वर्ष 15 से 21 जनवरी तक भूकंप सुरक्षा सप्ताह मनाया जाता है।

पूरा बिहार भूकंप के प्रति अत्य धक संवेदनशील है। प्रदेश के उत्तर मे स्थित 8 ज़िले उच्चतम तीव्रता वाले क्षेत्र **Zone V** में आते हैं, 24 ज़िले **Zone IV** में तथा शेष 6 ज़िले **Zone III** में स्थित हैं। इस प्रकार बिहार राज्य भूकंप की संवेदनशीलता की दृष्टि से अत्यंत एवं मध्यम तीव्रता के क्षेत्र में आता है।

यह एक वास्त वकता है की भूकंप से कसी की जान नहीं जाती बल्कि पुराने एवं कमजोर ढांचों एवं मकानों के गरने से लोगों की मृत्यु होती है। अगर वशेषज्ञों द्वारा निर्धारित मानदंडों एवं निर्देशों का पालन करते हुये भूकंपरोधी निर्माण कये जायें तो भूकंप से होने वाले नुकसान एवं मृत्यु से काफी हद तक बचा जा सकता है। इसके लए लोगों मे भूकंप से बचने के उपायों की जागरूकता एवं जानकारी का होना अत्यंत आवश्यक है क्यों क प्राकृतिक आपदाओं को रोका तो नहीं जा सकता, परन्तु इसके बचाव के उपाय की जानकारी और पूर्व तैयारी के द्वारा इसके प्रभाव को न्यूनतम अवश्य कया जा सकता है।

अतः यह आवश्यक है क हम सदैव ही भूकंप जैसी वभी षका से निबटने के लए तैयार रहें और इस संबंध मे जन-जागरूकता भी फैलाते रहें। प्रा धकरण द्वारा इस दिशा में कार्य भी कया जा रहा है और इस सप्ताह के अंतर्गत प्रदेश के सभी जिलों में भूकंप संबंधी जागरूकता एवं प्र शक्षण की दिशा में प्रत्येक वर्ष अनेक प्रयास कये जाते हैं। भूकंप से बचाव हेतु यह आवश्यक है की सभी नए निर्माण भूकंपरोधी हों और पुरानी इमारतों के सुदृढ़ीकरण (**Retrofitting)** का प्रयास कया जाये । इस संबंध

में जागरूकता फैलाने के साथ ही इस सप्ताह के दौरान राज्य के अ भयन्ताओं **(Engineers),** वास्तु वदों **(Architects)** एवं राज मस्त्रियों **(Masons)** को भूकंपरोधी तकनीक पर व्यापक प्र शक्षण कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं।

20 जनवरी 2015 को बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्रा धकरण के एक और महत्वपूर्ण प्रयास के अंतर्गत देश के पहले **Earthquake Safety Clinic and Centre** का उद्घाटन माननीय मुख्यमंत्री बिहार सह प्रा धकरण के अध्यक्ष श्री जीतन राम मांझी के कर कमलों द्वारा कया गया। **BSDMA** द्वारा पूर्णतया वत्तपो षत यह केंद्र **NIT Patna** और **BSDMA** का संयुक्त प्रयास है और यह **NIT Patna** मे स्थित होगा। इस संबंध में **BSDMA** और **NIT** के बीच 24 नवम्बर 2014 को एक **MoU** पर हस्ताक्षर कया गया। वगत तीन वर्षों से बिहार दिवस के अवसर पर **life size models** के द्वारा समुदाय के लोगों को भूकंपरोधी इमारतों के वषय मे निःशुल्क जानकारी प्रदान की जाती रही है। इससे हजारों की संख्या में लोग लाभान्वित होते रहे हैं। इसकी सफलता से प्रेरित होकर प्रा धकरण ने इसे स्थायी रूप देने का संकल्प कया। इस केंद्र का संचालन **NIT** के प्राध्यापकों द्वारा कया जाएगा और वशेष रूप से यहाँ के छात्र **volunteerism** की भावना के साथ इस केंद्र को अपनी सेवायें प्रदान करेंगे। **NIT** के प्राध्यापकों एवं छात्रों की स क्रय भू मका से न केवल लोग लाभान्वित हैंगे अ पतु **NIT** द्वारा भ वष्य में कए जाने वाले शोध कार्यों की गुणवत्ता में भी वृद् ध होगी और ऐसी नयी तकनीकें वक सत करने में मदद मलेगी जो समुदाय के लोगों को सीधे लाभ पहुंचा सकें। इस केंद्र के माध्यम से बिहार की जनता को वास्त वक पक्के भवनों तथा बांस के भवन निर्माण के मॉडलों के द्वारा भूकंप रोधी संरचना एवं निर्माण की सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक जानकारी निःशुल्क प्रदान की जाएगी। प्रारम्भ मे यह केंद्र जन-सामान्य के लए सप्ताह में दो दिन (मंगलवार एवं बुद्धवार) को दिन में 12 से 4 बजे तक खुलेगा।

इस अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री बिहार सह **BSDMA** के अध्यक्ष श्री जीतन राम मांझी ने इस केंद्र को जनता को सम र्पत करते हुये कहा क भ वष्य में प्रदेश के सभी वभाग यह सुनिश्चित करें क भ वष्य में होने वाले सभी निर्माण कार्य भूकंपरोधी हों और पुरानी इमारतों के भी सुदृढ़ीकरण **(Retrofitting)** पर भी ध्यान दिया जाय। **NIT Patna** के संचालन परिषद **(Board of Governors)** के अध्यक्ष श्री मानस बिहार वर्मा ने इस बात पर ज़ोर दिया क प्रयोगशालाओं में होने वाले शोध जब जनता के बीच पहुंचेंगे तभी आपदा रोधी समाज एक वास्त वकता बन सकेगा। प्रा धकरण के उपाध्यक्ष श्री अनिल कुमार सन्हा ने इस अवसर पर बताया क **BSDMA** के पूर्ण वत्तीय सहयोग से स्था पत इस केंद्र को **Centre of Excellence** के रूप में वक सत करने का प्रयास कया जाएगा और भ वष्य में ऐसे ही और केंद्र भूकंप क दृष्टि से अति संवेदनशील उत्तर बिहार के जिलों में भी स्था पत करने का प्रयास कया जाएगा।